''राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020'' पर व्याख्यानमाला का पालन प्रतिवेदन

विश्वविद्यालय का नाम	–	आई.सी.एफ.ए.आई. विश्वविद्यालय, रायपुर
कार्यक्रम का शीर्षक	–	''राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020'' व्याख्यानमाला
दिनांक	–	7 अगस्त 2025
समय	–	11:30 बजे से
स्थान	–	विश्वविद्यालय सभागार कक्ष, शैक्षणिक ब्लॉक–2
मुख्य वक्ता	–	प्रो.(डॉ.) एस.डी. पाण्डेय, कुलपति आई.सी.एफ.ए.आई. विश्वविद्यालय, रायपुर

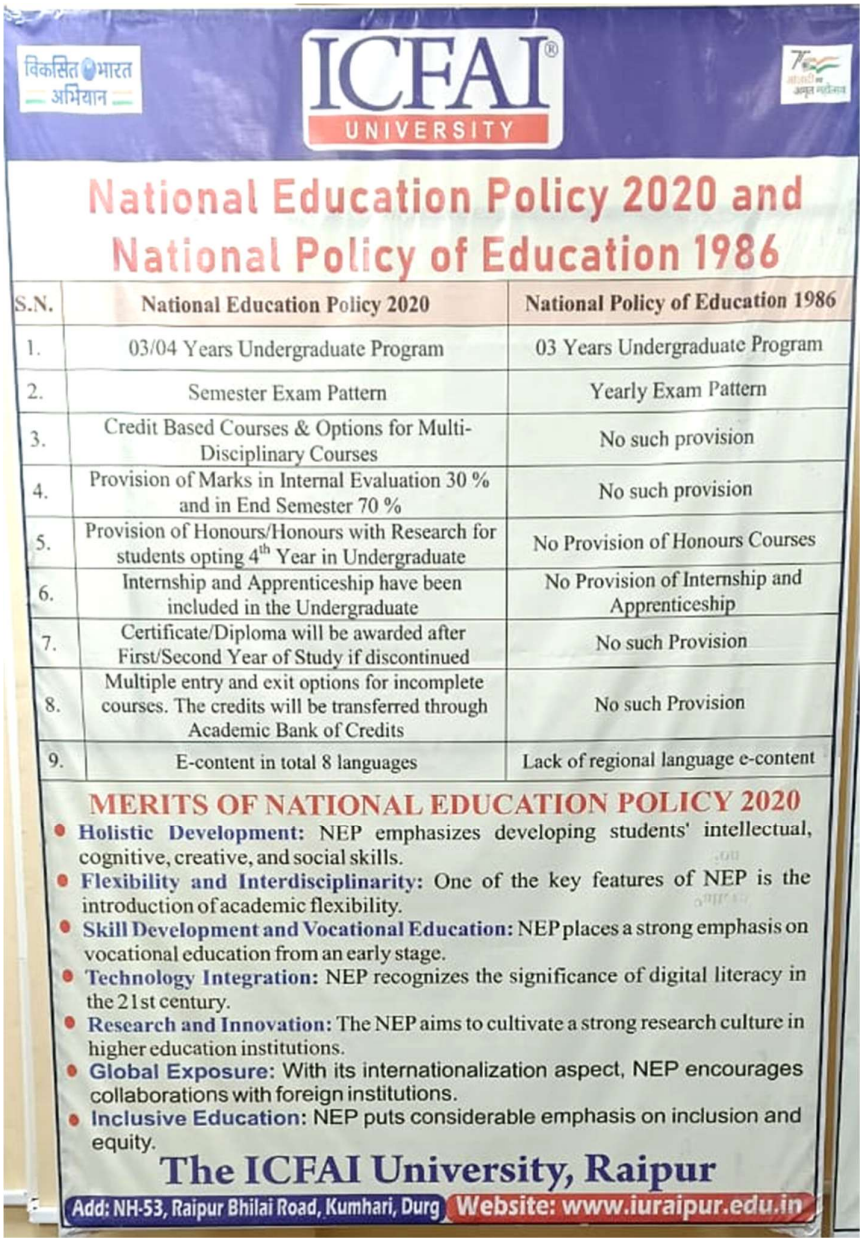

उद्घाटन सत्र : कार्यक्रम की अध्यक्षता आई.सी.एफ.ए.आई. विश्वविद्यालय, रायपुर के कुलपति प्रो.(डॉ.) एस.डी. पाण्डेय ने की। कुलसचिव महोदय ने कुलपति महोदय का स्वागत पुष्पगुच्छ से किया एवं सरस्वती माता के पूजा–अर्चना, माल्यार्पण उपरांत ''राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020'' व्याख्यानमाला को प्रारंभ किया गया।

व्याख्यानमाला के मुख्य वक्ता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.(डॉ.) एस.डी. पाण्डेय ने अपने उद्बोधन में आई.सी.एफ.ए.आई. विश्वविद्यालय, रायपुर के स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम के नव प्रवेशित विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के प्रभावों से अवगत कराया एवं अनेक जानकारियां साझा किये विवरण अग्रानुसार है–

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 (NEP 2020) का उद्देश्य भारत की शिक्षा प्रणाली में समग्र (holistic), लचीला (flexible), बहु-विषयक (multidisciplinary), और 21वीं सदी की आवश्यकताओं के अनुरूप परिवर्तन लाना है।

शिक्षा क्षेत्र में सर्वोत्तम प्रथाओं को सुनिश्चित करने के लिए 'भारतीय उच्च शिक्षा आयोग '- (HECI) नामक एक नया नियामक निकाय अस्तित्व में आएगा। HECI को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान न करने वाले संस्थानों को दंडित करने का अधिकार होगा।

कौशल विकास और व्यावसायिक शिक्षा छात्रों को नौकरी के लिए तैयार करने हेतु राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 व्यावसायिक शिक्षा और कौशल विकास के महत्व को स्वीकार करती है। यह छात्रों को आवश्यक कौशल प्राप्त करने में सहायता के लिए नियमित उच्च शिक्षा में प्रशिक्षुता और कार्यएकीकृत शिक्षण - गतिविधियों को शामिल करने का सुझाव देती है।

<u>छात्रों की सहायता के लिए वित्तीय सहायता -</u> सरकार यह सुनिश्चित करने का प्रयास करेगी कि अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति, अन्य पिछड़ा वर्ग और विशेष आर्थिक वर्ग के छात्रों (एसईडीजी) को उनकी योग्यता के अनुसार छात्रवृत्ति मिले। अधिकारी उच्च शिक्षा संस्थानों को प्रतिभाशाली छात्रों की सहायता के लिए छात्रवृत्ति प्रदान करने केलिए प्रोत्साहित करेंगे। छात्रवृत्ति प्राप्त करने वाले छात्रों के प्रदर्शन पर नजर रखने के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल की भूमिका और गतिविधियों को व्यापक बनाया जाएगा।

<u>भारतीय भाषाओं के प्रयोग के लिए प्रोत्साहन -</u> भारतीय भाषाओं के संरक्षण और संवर्धन को सुनिश्चित करने के लिए एनईपी ने विभिन्न निकायों की स्थापना की सिफारिश की है, जैसे -

- पाली, प्राकित और फ़ारसी के लिए राष्ट्रीय संस्थान
- अनुवाद और व्याख्या संस्थान (आईआईटीआई)
- उच्च शिक्षा संस्थानों को विद्यार्थियों की मातृभाषाक्षेत्रीय भाषा या स्थानीय भाषा का उ/पयोग करने की अनुमति है, ताकि उन्हें अवधारणा को बेहतर ढंग से समझने में मदद मिल सके।

<u>शिक्षा में प्रौद्योगिकी-</u> एनईपी 2020 शिक्षा में प्रौद्योगिकी के महत्व को स्वीकार करते हुए शिक्षा के लिए एक व्यापक डिजिटल बुनियादी ढाँचे के निर्माण का सुझाव देती है। यह कॉलेजों को अधिक छात्रों तक पहुँचने और शैक्षिक पहुँच को बेहतर बनाने के लिए ऑनलाइन और मिश्रित शिक्षण पाठ्यक्रम प्रदान करने के लिए प्रोत्साहित करती है। शिक्षा में प्रौद्योगिकी के समुचित एकीकरण को सुनिश्चित करने के लिए सरकार राष्ट्रीय शैक्षिक प्रौद्योगिकी मंच)NETF) नामक एक स्वायत्त संस्था का गठन करेगी।

<u>तर्कसंगत शिक्षा वास्तुकला-</u> विश्वविद्यालयों का मूल ढांचा नये तरीके से बनाया जाएगा। शैक्षणिक संस्थानों के विजन और मिशन के अनुसार विश्वविद्यालयों की विभिन्न श्रेणियां जैसे शिक्षणप्रधान - विश्वविद्यालय, अनुसंधानप्रधान विश्वविद्यालय और स्वायत्त डिग्री प्रदान करने वाले कॉलेज-, अस्तित्व में आएंगे।

<u>दूरस्थ शिक्षामुक्त शिक्षा/-</u>

सरकार खुली शिक्षा सुविधाओं के द्वार खोलकर उच्चतम गुणवत्ता वाली शिक्षा सुनिश्चित करने के लिए कई उपाय करेगी, जैसे -

- ऑनलाइन पाठ्यक्रम परिचय
- डिजिटल रिपॉजिटरी
- अनुसंधान कार्य के लिए धन
- क्रेडिट आधारित शिक्षा

शिक्षा में डिजिटलीकरण-

- भारत सरकार ने गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने के लिए सोचसमझकर दिशानिर्देश बनाए हैं।-
- प्रसिद्ध शैक्षिक विशेषज्ञों के अनुसार, शिक्षा में आईसीटी की भूमिका महत्वपूर्ण है।
- उन्होंने इस तथ्य को स्वीकार किया है कि नवीनतम में निवेश शिक्षा ईआरपी ऑनलाइन मूल्यांकन, ईलर्निंग और विकल्प आधारित शिक्षा प्रणाली जैसे उपकरण निश्चित रूप से स्कूलों-, उच्च शिक्षा संस्थानों और विश्वविद्यालयों के लिए क्रांतिकारी परिवर्तनकारी साबित होंगे।एनईपी 2020 उच्च शिक्षा में व्यावसायिक प्रशिक्षण को एकीकृत करने का लक्ष्य रखती है। 2025 तक, 50% से ज़्यादा शिक्षार्थियों के पास किसी न किसी प्रकार की व्यावसायिक शिक्षा होगी।
- यह बहुविषयक शिक्षा को- बढ़ावा देते हुए संस्थागत स्वायत्तता को भी बढ़ावा देता है। वर्ष 2030 तक, सभी स्वतंत्र व्यावसायिक शिक्षण संस्थान बहुविषयक बन जाएँगे।-
- इसका सबसे बड़ा असर पाठ्यक्रम पर पड़ेगा, जो ज़्यादा लचीला हो जाएगा। कई प्रवेश और निकास बिंदुओं के साथ, छात्रों को अपनी पसंदीदा गति से सीखने के नए और गतिशील अवसर मिलेंगे।

मुख्य बिंदु:

1. राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की पृष्ठभूमि और आवश्यकता
2. नई शैक्षिक संरचना (5+3+3+4)
3. मातृभाषा में शिक्षा का महत्व
4. उच्च शिक्षा में सुधार, शोध और नवाचार को बढ़ावा

5. तकनीकी एकीकरण एवं डिजिटल शिक्षा
6. शिक्षकों की भूमिका एवं प्रशिक्षण
7. व्यावसायिक शिक्षा का सशक्तीकरण
8. कार्यांवयन की चुनौतियाँ और संभावनाएँ
9. नई शिक्षा नीति समग्र, समावेशी, लचीली और बहु-विषयक शिक्षा की ओर अग्रसर करती है।
10. छात्र-केन्द्रित, कौशल-आधारित शिक्षा को बढ़ावा देना इसका प्रमुख उद्देश्य है।
11. नीति में **भारतीय परंपराओं और वैश्विक आवश्यकताओं** के बीच संतुलन बनाने का प्रयास किया गया है।

प्रश्नोत्तर सत्र:

अंत में प्रतिभागियों द्वारा उत्साहपूर्वक प्रश्न पूछे गए, जिनका समाधान डॉ. पाण्डेय ने विस्तारपूर्वक और सरल भाषा में किया।

कुलसचिव
दि आई.सी.एफ.ए.आई.विश्वविद्यालय रायपुर